H.H.W
11.10.21

Autumn Holidays Homework

प्र- रिक्त स्थान भरिए -
(अजनबी, मतलब, जनम, प्यार)

१- एक दुनिया रचें आओ हम प्यार की।
२- अजनबी हो भले हाथ अपने मगर।
३. इन सवालों का कुछ आज मतलब नहीं।
४. एक धरती ने हमको दिया है जनम।

प्र- समान तुक वाले शब्द लिखिए

५. दुनिया - मुनिया
६. अपने - सपने
७. मान - जान
८. टूटते - रूठते

९. आप के विचार में छोटे बालकों की दुनिया में क्या क्या होन चाहिए?

उ- मेरे विचार में छोटे बालकों की दुनिया में खुशी, प्यार होना चाहिए, सबके साथ मिलजुल कर रहने की भाव रखना चाहिए, बड़ों के लिए मन में आदर और सम्मान रहना चाहिए, मन में प्रेम, एकता और भाईचारे का भाव रखना चाहिए।

प्र- निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए -

१०. तीन मित्र कौन - कौन थे ?

उ- (क) दो हंस एक कछुआ

११. किसे दूसरे तालाब में जाने की समस्या थी ?

उ- (ख) कछुए को

१२. तालाब सूख गया क्योंकि

उ- (क) बहुत गरमी थी

१३. हंसों ने कहा कि उपाय तो अच्छा है पर

उ- (क) तुम बातूनी होने के कारण रास्ते में बात नहीं करना

१४. अपने पैर पर स्वयं कुल्हाड़ी मारने का अर्थ है;

उ- (क) अपना नुकसान स्वयं करना

१५. कविता का सारांश अपने शब्दों में लिखिए ।

तितली की सीख

तितली के संवाद के माध्यम से मनुष्य को आलस्य त्याग कर रंग बिरंगी दुनिया को निहारने, उसके अलग रूपों का आनंद लेने और ज्ञान प्राप्त करने की प्रेरना दी गई है । रंग बिरंगी तितली हवा के संग - संग उड़ती चली जा रही है । उसके पर बहुत सुंदर और सजीले थे, उसके पर लाल और पीले थे । वह उड़कर बगीया में पहुँच गई, वो एक कली पर बैठ गई । जब तितली रस पीने के लिए जा रही थी. तब नन्ही कली बोली मुझे मत

सताओ। तुम पहीले फूल के पास जाओ और मुझे दर्द न देकर खिले हुए कली का पास जाओ। तुरंत खिला बोल बुलाए की भावना छोड़ो, और अपनी बंद पंखुड़ियों को खोल दो। देखो ये संसार कितना प्यारा है। दुनिया रंग बिरंगी और चमकीली है। मैं चलता हुँ।

२६. अनुच्छेद लिखिए-
उ- मेरा प्रिय मित्र

जीवन में सही दिशा पाने या आगे बढ़ने के लिए हम सभी के लिए हम सभी के लिए सच्चा मित्र की बहुत जरूरत है। अच्छा और सच्चा दोस्त पाना बहुत कठिन है पर कुछ भाग्यशाली लोग इसे पाते हैं। उनमें से मैं एक हू। हर्षिता मेरी सबसे अच्छी मित्र है। हम दोनें एक ही कक्षा में पढ़ते हैं। वह एक आदर्श विद्यार्थी है। वह कक्षा में सबसे ~~आगे~~ आगे है। वह सबके साथ उदार और शिष्टाचार का भाव रखती है। वह किसी के साथ झगड़ा नहीं करती है। वह बड़ों को आदर और छोटें से प्यार करती है। एक सच्चे मित्र की परीक्षा विपत्ती में होती है। जब कभी भी मैं बीमार होती हूँ और स्कूल नहीं जा पाती, वह मेरी पढ़ाई में मदद करती है। उसके उन अच्छे गुणों के कारण मुझे उस पर गर्व है। मैं भगवान से प्रार्थना करती हूँ की हमारी मित्रता सारा जीवन बनी रहे, जिससे हम

एक दुसरे की मदद कर सके।

१७. कितनी बार कहा पेड़ पर मत चढ़ना - किसने किससे कहा और क्यों कहा?
उ- यह बात गांधी जी के बड़े भाई ने उनसे कहा। क्योंकि उन्हे लगता था की छोटा बच्चा है पेड़ से गिर कर चोट न लग जाए।
१८. मोहन रोते हुए किसके पास गया?
उ- मोहन रोते हुए अपने माँ के पास गया।
१९. माँ ने मोहन से क्या पुछा?
उ- माँ ने मोहन से पूछा - "तुमने कोई शरारत की होगी?"
२०. माँ ने ऐसा क्यों कहा कि तुम भी जाकर उसे मारो।
उ- माँ ने ऐसा कहा क्यों कि वे जानना चाहते थे कि छोटे भाई के मन में अपने बड़े भाई के लिए क्या भावना है।
२१. मोहन क्यों उदास हो गया?
उ- मोहन उदास हो गया क्यों कि ~~वे~~ जब माँ ने कहा - "तुम भी जाकर अपने बड़े भाई मारो" क्यों कि बड़ों को मारना अच्छी बात नहीं
२२. मोहन ने ऐसा क्यों कहा कि मुझे मारना क्यों सीखाते हो?
उ- मोहन ने ऐसा कहा क्यों कि ~~उनके~~ बड़ों को मारना अच्छी बात नहीं है और उनके अनुसार हिंसा का बदला हिंसा से नहीं बल्की अहिंसा से भी लिया जा सकता है।

२३. माँ ने मोहन को गोदी में भरकर क्या कहा?
उ- माँ ने मोहन को गोदी में भरकर यह कहा की - "तुम्हें ऐसे जवाब कहाँ से सूझते हैं, रे मोहन"?
२४. पाठ में बुद्धदेव के वाणी के बारें में क्या बताया गया है?
उ- पाठ में बुद्धदेव के वाणी के बारे में यह बताया गया है कि - मनुष्य क्रोध को प्रेम से, पाप को सदाचार से, लोभ को दान से और मिथ्या भाषण को सत्य से जीत सकेगा।
२५. पाठ का संदेश क्या है?
उ- पाठ का संदेश यह है की - हिंसा का बदला हिंसा से नहीं बल्कि अहिंसा से भी लिया जा सकता है।
२६. हंस और कछुआ पाठ का सारांश अपने शब्दों में लिखिए (५ या ६ वाक्यों में)
उ- "हंस और कछुआ" पाठ मगध देश में फुल्लोत्पल नामक तालाब, दो हंस संकट और विकट और एक कछुआ के बारे में वर्णन किया गया है। इस कहानी में दो हंस कुछ मछुआरों को तालाब के सारी मछलियाँ और कछुए को पकड़ने के बारे में बात सुनकर कछुए को बता दिया। यह बात सुनकर कछुआ घबरा गया और हंसों को उसे कोई ~~दूसरे~~ दुसरे तालाब में ले जाने के लिए बोला। जब वे एक लकड़ी के सहारे कछुए को एक गाँव के ऊपर से ले जा रहे थे, गाँव के कुछ बच्चे उसका मजाक उड़ाने लगे तब कछुआ ने गुस्से में आकर मुँह खोल दिया और जमीन में गिर कर मर गया।

सीख - यह कहानी से हमें यह सीख मिलती है की मुसीबत में मौन रहना ही श्रेष्ठ विचार है।

२७. हंस और कछुआ पाठ का मूल उद्देश्य क्या है?

उ- हंस और कछुआ पाठ का मूल उद्देश्य यह है कि - संकट के समय में धैर्य रहना चाहिए। अन्य लोग क्या कहते हैं। उस पर ध्यान नहीं देना चाहिए।

२८. इस कहानी के अंत में क्या हुआ?

उ- इस कहानी के अंत में कछुआ गुस्से में आर अपना मुँह खोल दिया और ज़मीन से गिर कर मर गया।

२९. तितली कली को क्यों जगा रही है?

उ- तितली कली को क्यों जगा रही है क्योंकि - तितली के माध्यम से सारे जगत को आलस छोड़ने को कह रही है। तितली कली को जगाकर कहती है - "हे कली! आलस छोड़कर अपनी बंद पंखुड़ियों को खोल दो। देखो ये दुनिया कितनी सुंदर है। चारों ओर रंग बिरंगी और चमकीली है। यदि तुम आलस छोड़कर नहीं उठोगी तो मैं तुमसे दूर चली जाऊँगी।

30. आलसी करने वालों का क्या हाल होता है?

उ- आलसी करने वालों का बहुत बुरा हाल होता है। सारी दुनीया आगे चली जाती है और आलस करने वाला हमेशा पिछे रह जाता है। आलस करने से आलस करने वालों का दिन का उपयोगी समय बेकार चला जाता है। जो लोग आलस्य या प्रमाद में समय को नष्ट करते हैं, समय उन्हें नष्ट कर देता है।

३१. तितली की सीख कविता के माध्यम से कवि क्या संदेश देना चाहते हैं ?

उ- मनुष्य को आलस का त्याग कर अपना कार्य ईमानदारी से करना चाहिए, आलस करने से दिन का उपयोगी समय बेकार चला जाता है। जो लोग आलस्य या प्रमाद से समय को नष्ट करते हैं, समय उन्हें नष्ट कर देता है, यह तितली की सीख कविता के माध्यम से कवि संदेश देना चाहते हैं,

३२. दो दिन विद्यालय में अनुपस्तीत होने के कारण विद्यालय के अध्यक्ष को प्रार्थना पत्र लिखिए।

उ-

सेवा में,
श्रीमान प्रधानाचार्य महोदय,
ओ. डी. एम. पब्लिक स्कूल
भुवनेश्वर, ओडिसा - ७६२०२१(751021)
दिनांक - ११ अक्तूबर २०२२
विषय: विद्यालय में २ दिन अनुपस्तीत होने के कारण
अध्यक्ष को प्रार्थना पत्र

मान्यवर महोदय,

सविनय निवेदन यह है कि मैं दिनांक ८ अक्तूबर से ९ अक्तूबर तक अपनी कक्षा में उपस्थित नहीं हो सकी क्योंकि मुझे तेज बुखार हो गया था और डॉक्टर ने मुझे दो दिन तक आराम करने के लिए सलाह दी थी। इसलिए मैं

दो दिन तक स्कूल नहीं आ सकी और मैं आपको पहले से इस विषय में सूचित करने की स्थिति में नहीं थी।

अतः मुझे इस दो दिन का अवकाश प्रदान करने की कृपा करें। इसके लिये मैं सदा आपका आभारी रहूँगी।

धन्यवाद
आपका आज्ञाकारी शिष्या,
पूजा नाथ
कक्षा - ६, विभाग-'घ'
दिनांक - २१ अक्टूबर २०२१

३२. गांधीजी के बारे में १० वाक्य लिखिए।
उ- गांधीजी के बारे में १० वाक्य -

1. मोहनदास करमचंद गांधी का जन्म 02 अक्तूबर 1869 में गुजरात के पोरबंदर गाँव में हुआ था।
2. भारत की स्वतंत्रता में गांधीजी का काफी अहम योगदान था।
3. गांधीजी अहिंसा के पुजारी और प्रचारक थे, वे लोगों से आशा करते थे की वे भी अहिंसा का रास्ता अपनाये
4. गांधीजी ने 1930 दांडी यात्रा करके नमक सत्याग्रह किया था।
5. लोग गांधीजी को प्यार से बापू कहते हैं।
6. बापू ने लंदन से वकालत की पढ़ाई की और बेरिस्टर (वकील) बने।

7. "अंग्रेजों भारत छोड़ो" ये बापू का नारा था लेकिन बापू हिंसा के खिलाफ थे।

8. अहिंसा का रास्ता अपनाते हुए भी बापू अंग्रेजों के लिए काफी बड़ी मुश्किल बने हुए थे।

9. आजादी में बापू के योगदान के कारण उन्हें राष्ट्रपिता का ओहदा दिया गया है।

10. बापू साधारण जीवन जीना पसंद करते थे, वे चरखा चलाकर सूत बनाते थे और उसी से बनी धोती पहना करते थे।

३४. हंस का चित्र बनाकर उसके बारे में ५ वाक्य लिखिए।

हंस एक बड़े जलीय पक्षी है जो गुसी और बतख से संबंधीत है। यह नारंगी चोंच के साथ सफेद काले धूसर रंग में मिला इसमें एक लंबी गर्दन है, शरीर को बांधों रखा जाता है और पैर के पैर और मजबूत पैर जो तैरने में मदद करते हैं। इसका आवास एक तालाब, झील, नदी आदि है। हंस का जीवन काल 8 से 12 वर्ष है। हंस सर्वव्यापी पक्षी है लेकिन एक शाकाहारी आहार है। हंस पानी के नीचे की वनस्पतियों जैसे पानी के पौधों को खाते हैं। वे बीज, जामुन और कीड़े भी खाते हैं। वे दुनिया भर में 7 प्रजातियों में पाए जाते है,

२५. विलोम शब्द लिखिए -

राजा - रानी
प्रेम - नफरत
देश - विदेश
आना - जाना